13/12/22

दिनांक 01.12.2022 को जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में आयोजित जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन परियोजनाओं के प्रगति के सम्बन्ध में आयोजित समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त

जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन पाइप पेयजल योजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध बैठक दिनांक 01.12.2022 को जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसका अनुमोदन जिलाधिकरी महोदय के द्वारा दिनांक– 13.12.2022 को किया गया।

समीक्षा बैठक मे निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें:–

1. श्री राजेश कुमार यादव, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे), हमीरपुर।
2. श्री अशोक कैम, अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मंण्डल, हमीरपुर।
3. श्री संदेश सिंह तोमर, अधिशासी अभियन्ता, जल निगम(ग्रामीण), महोबा।
4. श्री महाबीर सिंह, सहायक अभियन्ता, वि0/यां0, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), चित्रकूट।
5. श्री आशीष बाजपाई, सहायक अभियन्ता (इले0 एण्ड मैके0), एस0डब्लू0एस0एम0, हमीरपुर।
6. श्री कुबेर वर्मा, अवर अभियन्ता (इले0 एण्ड मैके0), एस0डब्लू0एस0एम0, हमीरपुर।
7. श्री रामा कृषन शुक्ल, सुपरविजन इंजीनियर, आरवी एसोसिएट्स (पी0एम0सी0), हमीरपुर।
8. श्री पवन कुमार प्रजापति, डी0टी0एल0, सेन्सिस टेक लि0, हमीरपुर।
9. श्री सुनील भारद्वाज, जनरल मैनेजर, जे0डब्लू0आई0एल0, हमीरपुर।
10. श्री विशाल शर्मा, ए.जी.एम., जे0डब्लू0आई0एल0, हमीरपुर।
11. श्री अभिषेक कुमार वर्मा, प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0, हमीरपुर।
12. श्री सिद्धगोपाल त्रिवेदी, जिला सलाहकार, यूनोप्स हमीरपुर।

<u>पत्यौरा डांडा ग्राम समूह पेयजल योजना (सतही स्त्रोत):–</u>

अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि पत्योरा डांडा ग्राम समूह पेयजल (सतही स्त्रोत) योजना के माध्यम से कुल 148 राजस्व ग्राम लाभान्वित हैं, जिसमें विकास खण्ड मौदहा के 82 एवं विकास खण्ड सुमेरपुर के 66 राजस्व ग्रामों को आच्छादित किया जाना है। उपरोक्त परियोजना का घटकवार प्रगति निम्नवत है:–

इन्टेक वेल:–एजेंसी के जनरल मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि इस योजना के तहत यमुना नदी, ग्राम पत्योरा डांडा के पास इन्टेकवेल (45 एम0एल0डी0) का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इन्टेकवेल की 17 मीटर की सिंकिंग की कार्यवाही हुई है। जनरल मैनेजर, जेडब्लूआईएल द्वारा बताया गया कि यमुना नदी का जलस्तर अधिक होने के कारण कार्य बाधित रहा, वर्तमान में इन्टेकवेल तक जाने हेतु एप्रोच बनाने का कार्य शुरू किया गया है, 03 दिसम्बर, 2022 तक कॉफर डैम बनाकर इन्टेकवेल का कार्य प्रारम्भ किया जायेगा। जिलाधिकारी महोदय द्वारा इन्टेकवेल की धीमी प्रगति पर खेद प्रकट किया गया और निर्देशित किया गया कि कार्ययोजना के आधार पर इन्टेकवेल पर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप गुणवत्ता एवं मानक के अनुरूप कार्य कराना सुनिश्चित करें।

डब्लू0टी0पी0:–जे0डब्लू0आई0एल0 प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि डब्लू.टी.पी. (45 एम0एल0डी0) पत्योरा डांडा का निर्माण कार्य किया जाना है, डब्लू.टी.पी. का सिविल कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में मीटर रूम और डेवलपमेन्ट के कार्य, मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल कार्य किये जा रहे हैं।

Scanned with OKEN Scanner

अधिशासी अभियन्ता, जल निगम ग्रामीण द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म द्वारा अभी तक डब्लू.टी.पी. के बाउन्ड्रीवाल का कार्य प्रारम्भ नही किया गया है। जेडब्लूआईएल प्रतिनिधि द्वारा आश्वासन दिया गया कि 25 दिसम्बर, 2022 तक बाउन्ड्रीवाल कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि डब्लू.टी.पी. के विद्युत यांत्रिकी, डेवलपमेन्ट, मीटररूम, बाउन्ड्रीवाल का निर्माण हेतु निर्धारित मानवश्रम लगाते हुए समय से पूर्ण कर लिया जाय।

सी0डब्लू0आर0:—अधिशासी अभियन्ता, जल निगम ग्रमीण द्वारा बताया गया कि योजना में प्रस्तावित 10 नग सी0डब्लू0आर0 के सापेक्ष मात्र 02 नग सी.डब्लू.आर. (पत्यौरा डांडा एवं पचखुरा बुजुर्ग) पर सिविल वर्क पूर्ण किया गया। पत्यौरा डांडा सी0डब्लू0आर0 में विद्युत यांत्रिकी का कार्य किया जा रहा है इसके अतिरिक्त मकारॉव, चॉदीकला, छिरका तथा भमानी मे बनने वाले सी.डब्लू.आर. पर कार्य प्रारम्भ होने के बाद दीपावली से कार्य बन्द हैं क्योकि एजेंसी के पास आवश्यक मैनपावर उपलब्ध नही हैं। वर्तमान में 03 नग सी0डब्लू0आर0 मिहुना, भैंसमारी एवं चन्द्रपुरवा बुजुर्ग पर ही कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सी0डब्लू0आर0 की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया। निर्देशित किया गया कि आवश्यक मैनपावर लगाते हुए स्वीकृत ड्राईंग एवं डिजाइन एवं गुणवत्ता मानकों के अनुसार सभी सी0डब्लू0आर0 पर कार्य प्रारम्भ कराते हुए प्रगति मे आपेक्षित तेजी लाये।

अवर जलाशय:—अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी एजेंसी द्वारा 46 नग अवर जलाशयों का निर्माण किया जाना है, जिसमें विकास खण्ड मौदहा में सौखर, बमरौली, परोहरि, उरदना, पासून, छिरका, बिगहना, गुसियारी के अवर जलाशयों में सिविल कार्य पूरा किया गया तथा वर्तमान में मौदहा ब्लाक के लदार, रीवन, बभौरा, छानी तथा सुमेरपुर विकास खण्ड के पत्यौरा, टेढ़ा, चन्दपुरवा अवर जलाशयों पर कार्य किया जा रहा है, अवशेष अवर जलाशयों पर एजेंसी के पास मानवश्रम एवं टीमें उपलब्ध न होने के कारण 02—03 माह से कार्य बन्द पड़ा हुआ है। निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण किये जाने के लिए 300 श्रमिक प्रतिदिन लगाये जाने की आवश्यकता है, जिसके सापेक्ष कार्यदायी फर्म द्वारा मात्र 175 मानवश्रम लगाया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अवर जलाशयों की अत्यधिक धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा जे.डब्लू.आई.एल. के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि पर्याप्त मानवश्रम लगाते हुए सभी अवशेष जलाशयों पर एक साथ कार्य कराना सुनिश्चित करें तथा प्रतिदिन की कार्ययोजना तैयार कर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

राइजिंगमेन:—डी.टी.एल. टी.पी.आई. द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित राइजिंगमेन 306. 366 किमी0 के सापेक्ष 305.47 किमी0 पाईप की आपूर्ति की गयी है एवं 231.40 किमी0 पाईप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। इस माह मात्र 12.55 किमी पाइप बिछायी गयी है, शेष पाइप बिछाने हेतु 95 श्रमिक लगाये जाने के दैनिक लक्ष्य के सापेक्ष वर्तमान में मात्र 42 श्रमिक कार्यरत हैं। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पाइप बिछाये जाने की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया। निर्देशित किया गया कि पर्याप्त गैंग व मैनपावर लगाते हुए कार्य में आपेक्षित तेजी लायें तथा निर्धारित दैनिक लक्ष्य को प्राप्त करें।

वितरण प्रणाली:—अधिशासी अभियन्ता, जल निगम(ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित वितरण प्रणाली 908.886 किमी0 के सापेक्ष 640.886 किमी0 पाईप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण किया गया है। निर्धारित अवधि में लक्ष्य पूर्ण करने के लिए 385 श्रमिक लगाकर 8.57 किमी पाइप बिछाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सापेक्ष कार्यदायी फर्म द्वारा प्रतिदिन मात्र 123 श्रमिक लगाकर लगभग प्रतिदिन 2.41 किमी0 पाइप बिछाने का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्य प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि आवश्यक गैंग व मैनपावंर लगाते हुए स्वीकृत ड्राइंग व डिजाइन तथा गुणवत्ता मानको का पालन करते हुए निर्धारित दैनिक लक्ष्य प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

Scanned with OKEN Scanner

FHTC कनेक्शनः–अधिशासी अभियन्ता, जल निगम द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा योजना मे प्रस्तावित 47940 FHTC कनेक्शन के सापेक्ष अभी तक मात्र 20790 MDPE पाइप का कार्य पूर्ण किया गया है, जो लक्ष्य के सापेक्ष बहुत कम है। 56 राजस्व ग्रामों में FHTC कनेक्शन के लिए MDPE पाइप का कार्य पूर्ण किया गया है एवं 20 राजस्व ग्रामों में कार्य प्रगति पर है। अवशेष कार्य समयान्तर्गत पूर्ण किये जाने हेतु प्रतिदिन 335 श्रमिक लगाते हुए 870 कनेक्शन प्रतिदिन किये जाने के दैनिक लक्ष्य के सापेक्ष कार्यदायी एजेंसी द्वारा मात्र 92 श्रमिक लगाकर औसतन 163 कनेक्शन प्रतिदिन किये जा रहे है, जो दैनिक लक्ष्य के अनुरूप नही है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि दिये गये लक्ष्य को गम्भीरता से लेते हुए पर्याप्त मानवश्रम व मशीनरी को "राउण्ड द क्लाक" 24 घंटे दिन और रात्रिकालीन शिफ्टों में कार्यस्थलों पर लगाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप तथा कार्ययोजना के अनुसार निर्धारित दैनिक लक्ष्य को प्राप्त करें।

रोड रेस्टोरेशनः–सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी एजेंसी द्वारा अभी तक मात्र 45 राजस्व ग्रामों भुरही, घटकना, किशनपुर, सिलौली, उपरी, भरसावन, देवकाली, सारस, मसगांव, धुगवान, खनदेही, बिगहना, चकदाहा, गदेरीया खेड़ा, मवईया, गेहबरा, भवानी, चमरखन्ना, रतवा, गुरहा, गहतौली, जलाला, इटारा, पचखुरा खुर्द, धुन्धपुर, महमूदपुर, दरियापुर, कन्जौली, रिगना, पत्यौरा डांडा, बरूआ, पारा, रायपुर, इसौली, भवनीया, बदनपुर, अतैरया, नरायनपुर, नजरपुर, टोलामॉफ, तिलसारस, बमरौली, खैरी, अछरैला का रोड रेस्टोरेशन पूर्ण किया गया एवं 22 राजस्व ग्राम परछछ, टोलामाफ, तिलसरल परहेटा, किसवाही, परोहरी, सरहा, लेवा, भैन्सटा, बहरेला, अछरेला, मकरांव, इसौली, भवनीया, भिहुना, मौहर, इचौली, नजरपुर, कैथी, कलौलीजार इत्यादि में कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिया गया कि पाइप लेइंग के पश्चात यथाशीघ्र हाइड्रोटेस्टिंग तथा रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराया जाय, जिससे जनसामान्य को आवागमन मे परेशानी न हो। सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 तथा डी0टी0एल0, टी0पी0आई0 को निर्देशित किया गया कि जिन राजस्व ग्रामों में रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराया जा चुका है, सत्यापन कराकर फोटो सहित रिपोर्ट उपलब्ध करायें।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा एजेंसी द्वारा किये जा रहे कार्यो की भौतिक प्रगति से असंतोष व्यक्त किया गया। बार–बार बैठकों में जिलाधिकारी महोदय एवं अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) द्वारा निर्देश दिये जाने के बावजूद भी कार्यदायी फर्म द्वारा आवश्यक मानवश्रम पेयजल योजना के सभी घटकों पर न लगाया जाना कार्यदायी एजेंसी के कार्य के प्रति उदासीनता का द्योतक है। अतः एजेंसी को निर्देशित किया जाता है कि कार्ययोजना तैयार कर ले और उस कार्ययोजना के आधार पर पेयजल योजना के सभी घटकों पर समान्तर रूप से अनुमोदित ड्राइंग डिजाइन एवं गुणवत्ता मानको के अनुरूप कार्य कराना सुनिश्चित करें तथा टी0पी0आई0, जल निगम ग्रामीण के अभियन्तागण एवं पी0एम0सी0 के इंजीनियर निरन्तर कार्यस्थलों का निरीक्षण करें और हो रहे कार्यों अनुमोदित ड्राइंग डिजाइन एवं गुणवत्ता मानको के अनुरूप कार्य कराना सुनिश्चित करें।

<u>हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल (सतही स्त्रोत)</u>

अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल (सतही स्त्रोत) योजना के माध्यम से कुरारा विकास खण्ड के 24 ग्राम पंचायत के 39 राजस्व ग्रामों को आच्छादित किया जाना है। हरौलीपुर सतही स्त्रोत योजनान्तर्गत 01 इन्टेकवेल (9 एम0एल0डी0), 01 डब्लू0टी0पी0 (8 एम0एल0डी0), 12 नग अवर जलाशय तथा 05 नग सी0डब्लू0आर0 का निर्माण किया जाना है।

इन्टेकवेलः– इस योजना के तहत यमुना नदी, ग्राम हरौलीपुर के पास इन्टेकवेल (9 एम0एल0डी0) का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। प्रोजेक्ट मैनेजर के द्वारा अवगत कराया गया कि इंटेकवेल का सिविल कार्य 83 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। अधिशासी अभियन्ता वि0/यां0 द्वारा अवगत कराया गया कि इन्टेकवेल में अभी पम्प इन्स्टालेशन का कार्य प्रारम्भ नही किया गया है और न ही मीटररूम बनाये जाने का कार्य प्रारम्भ किया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा उपस्थित पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि पर्याप्त मानव श्रम लगाकर अवशेष कार्यों को अनुमोदित ड्राइंग डिजाइन एवं गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

Scanned with OKEN Scanner

(115)

डब्लू0टी0पी0:–प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि डब्लू0टी0पी0 8 एम0एल0डी0 का हरौलीपुर मे निर्माण किया जाना है, जिसका सिविल कार्य 81 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है तथा वर्तमान में मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को निर्देशित किया गया कि डब्लू0टी0पी0 का अवशेष सिविल कार्य एवं विद्युत यांत्रिकी के कार्य शत–प्रतिशत अनुमोदित ड्राइंग डिजाइन एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण कर लिया जाय।

सी0डब्लू0आर0:–सहायक अभियन्ता, वि0/यां0 द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित 5 नग सी0डब्लू0आर0 के सापेक्ष 04 नग सी0डब्लू0आर0 का सिविल कार्य पूर्ण कर लिया गया है और हरौलीपुर सी0डब्लू0आर0 पर पम्प इन्स्टालेशन की कार्यवाही की जा रही है। इसके अतिरिक्त किसी भी सी0डब्लू0आर0 पर पम्प इन्स्टालेशन की कार्यवाही प्रारम्भ नही की गई, मीटररूम का निर्माण डब्लू0टी0पी0 एवं इन्टेकवेल पर प्रारम्भ कर दिया गया है, जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यदायी एजेंसी को निर्देशित किया गया सी0डब्लू0आर0 पर आवश्यक मैनपावर लगाकर स्वीकृत ड्राईंग एवं डिजाइन के अनुसार अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करायें।

अवर जलाशय:–पी0एन0सी0 प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि सतही स्त्रोत योजना के तहत 12 अवर जलाशयों का निर्माण किया जाना है, जिसके सापेक्ष 10 नग अवर जलाशयों का कार्य पूर्ण हो चुका है, 02 नग अवर जलाशय देवीगंज तथा लहरा का कार्य प्रगति पर है, अवर जलाशय का लगभग 86 प्रतिशत सिविल कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि अवर जलाशयों पर पर्याप्त मैनपावर व मशीनरी लगाते हुए स्वीकृत ड्राइंग व डिजाइन तथा गुणवत्ता व मानको का पालन कराते हुए अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाय।

राइजिंगमेन:–प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा बताया गया कि योजना मे प्रस्तावित राईजिंगमेन 83.848 किमी0 पाइप बिछाने हेतु कार्य किया जाना है। अब तक 70.845 किमी0 पाइप की आपूर्ति कर ली गयी है एवं 70.3 किमी0 राइजिंगमेन बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 के को निर्देशित किया कि शेष राईजिंगमेन डी0आई0 पाइप की पूरी आपूर्ति अतिशीघ्र की जाय तथा पर्याप्त मानवश्रम लगाते हुए राइजिंगमेन पाइप बिछाने का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

वितरण प्रणाली:– प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि योजना मे प्रस्तावित वितरण प्रणाली मे 184.372 किमी0 पाइप बिछाने हेतु कार्य किया जाना है, जिसके सापेक्ष शत–प्रतिशत पाइप की आपूर्ति कर ली गयी है एवं 174.261 किमी0 पाइप बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। 29 राजस्व ग्रामों में वितरण प्रणाली बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं 04 राजस्व ग्रामों में प्रगति पर है। पाइप बिछाने का कार्य 84.67 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को निर्देशित किया गया कि शीघ्र मैनपावर एवं गैंग बढ़ाते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन एवं मानक के अनुरूप पाइप बिछाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

FHTC कनेक्शन:–सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा योजना मे प्रस्तावित 9636 FHTC कनेक्शन के सापेक्ष अभी तक मात्र 4208 MDPE पाइप का कार्य पूर्ण किया गया है तथा अभी तक मात्र 07 राजस्व ग्रामों में कार्य कार्य पूर्ण किया गया है तथा 08 राजस्व ग्रमों में कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पी.एन.सी. प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि कनेक्शन किये जाने की प्रगति बहुत धीमी है, दिये गये लक्ष्य को गम्भीरता से लेते हुए पर्याप्त मानवश्रम व मशीनरी को "राउण्ड द क्लाक" 24 घंटे दिन और रात्रिकालीन शिफ्टों में परियोजना के कार्यस्थलों पर लगाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप तथा कार्ययोजना बनाकर कार्य पूर्ण कराये।

<u>हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल (नलकूप आधारित)</u>

सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल योजना (नलकूप आधारित) के माध्यम से विकास खण्ड राठ, गोहाण्ड, सरीला एवं मुस्करा के 168 ग्रामों को लाभान्वित किये जाना है। हरौलीपुर नलकूप आधारित योजनान्तर्गत 136 नग नलकूप, 118 नग

Scanned with OKEN Scanner

अवर जलाशय, 1 नग सी0डब्लू0आर0 वितरण प्रणाली के लिए पाईप बिछाने का कार्य 977.42 किमी0, 103 नग स्टाफ क्वाटर, 14.23 किमी0 बाउन्ड्रीवाल का निर्माण किया जाना है। उपरोक्त परियोजना का घटकवार प्रगति निम्नवत हैः–

नलकूपः–अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि नलकूप आधारित योजना में प्रस्तावित 123 नग नलकूप के सापेक्ष 119 नग नलकूपों मे लोवरिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है व 109 नग नलकूपों पर डेवलेपमेन्ट का कार्य पूर्ण हो चुका है। 55 नग नलकूपों में समरसेबिल इंस्टालेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम ग्रामीण द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में 123 पम्प हाउस का निर्माण किया जाना है, जिसके सापेक्ष कार्यदायी एजेंसी मात्र 83 पम्प हाउस पर निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया है। 16 पम्प हाउस का सिविल कार्य पूर्ण कर लिया गया है, वर्तमान में मात्र 36 पम्प हाउस पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। सहायक अभियन्ता, वि0/यां, जल निगम (ग्रामीण), चित्रकूट द्वारा बताया गया कि एजेंसी द्वारा 123 नग पम्प के सापेक्ष 78 पम्प की आपूर्ति की जा चुकी है तथा योजना मं 56 नग सोलर पैनल के सापेक्ष मात्र 13 नग सोलर पैनल की आपूर्ति की गयी है तथा 12 सोलर पैनल का अधिष्ठापन का कार्य पूर्ण किया गया है। अवगत कराया गया कि पेयजल ट्रायल 52 ग्रामों में किया गया है तथा 30 ग्रामों जलापूर्ति की जा रही है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्य की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा प्रोजेक्ट मैनेजर, पीएनसी को निर्देशित किया गया कि मैनपावर व मशीनरी लगाकर सभी नलकूपों पर एक साथ समान्तर रूप से कार्य करायें तथा विकसित किये गये नलकूपों में पम्प इंस्टॉलेशन की कार्यवाही करायें, तथा सोलर पैनल की शत–प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए सोलर पैनल के अधिष्ठापन कार्य पूर्ण करायें । नलकूप डेवलपमेन्ट का कार्य, समरसेबिल पम्प इंस्टॉलेशन तथा पम्प हाउस का निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा सभी नलकूप तथा पम्प हाउस निर्माण की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर कार्य पूर्ण करायें। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), महोबा, सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 तथा टी0पी0आई0 को जिन पम्प हाउसों का कार्य पूर्ण किया जा चुका है का सत्यापन कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।

अवर जलाशयः–अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित 118 नग अवर जलाशय के सापेक्ष 106 अवर जलाशयों पर कार्य प्रारम्भ किया गया था, जिसमें 31 नग अवर जलाशयों पर टॉप डोम का कार्य पूर्ण किया गया है। वर्तमान में 33 नग अवर जलाशय का कार्य किया जा रहा है तथा निर्माण प्रारम्भ हुए 41 अवर जलाशयों पर कार्य वर्तमान समय पर कार्यदायी एजेंसी के पास आवश्यक मैनपावर उपलब्ध न होने के कारण कार्य बन्द पड़ा हुआ है। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे के द्वारा निर्देश दिये जाने के बावजूद भी एजेंसी द्वारा निर्धारित टीमें नही बढ़ाई जा रही हैं, जिस कारण अवर जलाशय के निर्माण में तेजी नही आ पा रही है। एजेंसी द्वारा बार–बार आश्वासन दिये जाने के बावजूद भी टीमें अवर जलाशय निर्माण में नही लगाई जा रही हैं। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अवर जलाशयों के निर्माण की धीमी प्रगति पर असंतोष प्रकट किया गया तथा पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि अवर जलाशयों पर मैनपावर व मशीनरी बढ़ाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप सभी जलाशयों पर एक साथ समान्तर रूप से कार्य करायें तथा उपरोक्त अवर जलाशयों की प्रगति मे तेजी लायें।

वितरण प्रणालीः–सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि योजना में प्रस्तावित 975.28 किमी0 के सापेक्ष अभी तक 867.41 किमी0 पाईप बिछाने का कार्य हुआ है। पाइप लाइन बिछाये जाने के निर्धारित दैनिक लक्ष्य 3.79 किमी के सापेक्ष मात्र 1.815 किमी पाइप लेइंग 175 श्रमिको के माध्यम से किया जा रहा है, जबकि निर्धारित लक्ष्य हेतु 299 श्रमिको की आवश्यकता है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को निर्देशित किया कि वितरण प्रणाली पाइप बिछाये जाने की प्रगति बहुत धीमी है। पर्याप्त मैनपावर/गैंग की संख्या बढ़ाते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाईन एवं मानक व गुणवत्ता के अनुरूप तथा दैनिक कार्ययोजना तैयार कर पाईप बिछाने का कार्य पूर्ण करायें तथा निर्धारित दैनिक लक्ष्य को प्राप्त करें।

Scanned with OKEN Scanner

FHTC कनेक्शन:–अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यदायी संस्था को 53504 FHTC कनेक्शन लक्ष्य को ससमय पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था, किन्तु अभी तक मात्र 40450 FHTC कनेक्शन के लिए HTC का कार्य किया गया है, 86 राजस्व ग्रामों में FHTC कनेक्शन हेतु MDPE पाइप का कार्य पूर्ण हो गया है तथा वर्तमान में 29 राजस्व ग्रामों में कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा FHTC कनेक्शन किये जाने की प्रगति पर असंतोष प्रकट करते हुए पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि दिये गये लक्ष्य को गम्भीरता से लेते हुए पर्याप्त मानवश्रम व मशीनरी को "राउण्ड द क्लाक" 24 घंटे दिन और रात्रिकालीन शिफ्टों में परियोजना के कार्यस्थलों पर लगाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप तथा कार्ययोजना बनाकर कार्य पूर्ण कराये तथा FHTC कनेक्शन किये जाने की कार्ययोजना तैयार कर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

रोड रेस्टोरेशन:–डिस्ट्रिक्ट टीम लीडर, टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी एजेंसी द्वारा अभी तक मात्र 44 राजस्व ग्रामों का रोड रेस्टोरेशन किया जा चुका है एवं 20 राजस्व ग्राम में कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा रोड रेस्टोरेशन कार्य में असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देशित किया 86 राजस्व ग्रामों में वितरण प्रणाली बिछाये जाने के सापेक्ष अभी तक मात्र 44 राजस्व ग्रामों में रोड रेस्टोरेशन का कार्य किया गया है, जो कार्यदायी एजेंसी की कार्य के प्रति लापरवाही को प्रदर्शित करता है, रोड़ खुदे होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, तथा कभी भी अप्रिय घटना घटित होने की सम्भावना बनी रहती है, जबकि रोड रेस्टोरेशन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किये जाने हेतु लगातार निर्देशित किया जा रहा है। जिन ग्रामों में पाइप बिछाने एवं हाइड्रोटेस्टिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है, पर्याप्त टीमें लगाकर तत्काल रोड रेस्टोरेशन कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

<u>अनापत्ति प्रमाण पत्रः–</u> सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि एन.एच.ए.आई. से प्रोविजनल अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक–22.07.2022 को जारी हो गया है तथा फाइनल अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने स्टाम्प एवं पेन ड्राइव एन0एच0ए0आई0 कानपुर कार्यालय में जमा कर दिया गया है। अनापत्ति प्रमाण पत्र इसी सप्ताह में प्राप्त हो सकता है। यूपीडा पी.आई.यू.–3 राठ से अनापत्ति महाप्रबंधक यूपीडा, लखनऊ द्वारा प्रोविजनल अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया है तथा बैंक गारन्टी 1981122 रू0– एवं लाइसेंस फीस 291083 रू0– जमा करने के बाद फाइनल अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत किया जायेगा। यूपीडा, बांदा से अनापत्ति हेतु प्रपोजल सी0ई0ओ0, यूपीडा लखनऊ के स्तर पर दिनांक–17.11.2022 को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु पहुंच गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) महोबा तथा सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 सम्बन्धित विभाग से समन्वय स्थापित कर अनापत्ति शीघ्र प्राप्त करने हेतु प्रभावी पैरवी कराना सुनिश्चित करें।

विद्युत संयोजन:–अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, हमीरपुर द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल योजना (सतही एवं नलकूप) के अन्तर्गत 73 विद्युत संयोजन तथा पत्थौरा डांडा ग्राम समूह पेयजल योजना के अन्तर्गत 10 विद्युत संयोजनों का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है, जिन्हें विद्युत सुरक्षा निदेशालय की लिखित अनुमति प्राप्त होने के पश्चात ऊर्जीकृत किया जाना है। जनरल मैनेजर, जे0डब्लू0आई0एल0 द्वारा अवगत कराया गया कि विद्युत सुरक्षा निदेशालय से सभी 10 नग विद्युत संयोजनों हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन किया जा चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा जनरल मैनेजर, जे0डब्लू0आई0एल0 तथा प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को निर्देशित किया गया कि किये गये सभी विद्युत कनेक्शन हेतु विद्युत सुरक्षा निदेशालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र यथाशीघ्र प्राप्त कर अधिशासी अभियन्ता वि0/यां0, जल निगम ग्रामीण, चित्रकूट को उपलबध कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यदायी संस्थाओ को निर्देशित किया गया कि परियोजना की प्रगति बहुत धीमी है, जिसका मुख्य कारण कार्यदायी एजेंसियों के पास पर्याप्त मानवश्रम उपलब्ध न होना है।

Scanned with OKEN Scanner

(12)

अतः मानवश्रम एवं आवश्यक मशीनरी बढ़ाकर समय से प्रस्तावित कार्य गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करायें। पेयजल योजनाओ की भौतिक प्रगति बहुत कम 02 प्रतिशत प्रतिमाह है, प्रगति बढ़ाकर 04–05 प्रतिशत प्रति सप्ताह किया जाय। आबादी के अन्दर स्थित स्कूलों, ग्राम पंचायतों, स्वास्थ्य केन्द्र, ऑगनबाड़ी केन्द्र आदि सरकारी भवनों में नल संयोजन कराया जाय। रोड रेस्टोरेशन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें, जिससे जनसामान्य को असुविधा न हो तथा यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि पाइप लाइन बिछाने हेतु खोदी गई कोई भी सड़क/गली रोडरेस्टोरेशन करने से छूटी नही है। चूकि यह पेयजल योजना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अतः इस कार्य में अधिशासी अभियन्ता/सहायक अभियन्ता/अवर अभियन्ता, जल निगम ग्रामीण, महोबा टी0पी0आई0 तथा पी0एम0सी0 व्यक्तिगत रूचि लेते हुए कार्य मानक के अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण तथा स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराना सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाय।

अन्त में सभी को धन्यवाद देते हुए जिलाधिकारी महोदय की अनुमति से बैठक समाप्त की गयी।

अपर जिलाधिकारी
(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग)
हमीरपुर।

कार्यालय जिलाधिकारी, हमीरपुर
(*An ISO 9001:2015 Certified Collectorate*)

पत्र संख्या– 891 /न0गंगे–पेय0परि0-स0बै0(2022–23) दिनांक–13 दिसम्बर, 2022

प्रतिलिपिः–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. प्रमुख सचिव महोदय, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, लखनऊ को सादर अवलोकनार्थ। (ई–मेल)
2. जिलाधिकारी महोदय को सादर अवलोकनार्थ।
3. अधिशासी निदेशक महोदय, एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ को सादर अवलोकनार्थ।(ई–मेल)
4. मुख्य अभियन्ता, एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ। (ई–मेल द्वारा)
5. अधीक्षण अभियन्ता, एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ।(ई–मेल द्वारा)
6. नोडल अधिकारी (हमीरपुर), एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ।(ई–मेल द्वारा)
7. अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), महोबा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत पर्यवेक्षण करते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन व गुणवत्ता मानकों का अनुपालन कराना सुनिश्चित करें। (ई–मेल द्वारा)
8. अधिशासी अभियन्ता वि0/यॉ0, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), चित्रकूट।
9. टीम लीडर पी0एम0सी0(आर0वी0 एसोसिएट्स)/टीम लीडर, टी0पी0आई0(सेन्सिस डेक लि0) हमीरपुर को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत पर्यवेक्षण करते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन व गुणवत्ता मानकों को लागू कराना सुनिश्चित करें।
10. प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0, हमीरपुर को अनुपालनार्थ।
11. जनरल मैनेजर, जे0डब्लू0आई0एल0, हमीरपुर को अनुपालनार्थ।
12. स्टेट हेड, पी0एन0सी0/जे0डब्लू0आई0एल0। (ई–मेल द्वारा)

13.12.2022

अपर जिलाधिकारी
(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग)
हमीरपुर।

Scanned with OKEN Scanner